(9)

R.M.M. Law College

Amrendra Kumar Trivedi Sanjay
part time teacher.

Sub- International Law

अन्तर्राष्ट्रीय विधि नियमों का वह समूह है जो व्यावहारिक संबंधों को नियंत्रित करता है।
आपसी राष्ट्रों की संधि व्यावहारिक करार करते आपसी सम्बन्ध जोड़कर समझौते करते अन्तर्राष्ट्रीय विधि द्वारा बाध्यकारी बनाते हैं, संधियां पर हस्ताक्षर करते आपस के कानून और प्रस्ताव बनाने वाले अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का निर्माण कर सकते हैं कुछ मामले में संयुक्त राष्ट्र इनके द्वारा बनाये जाने वाले व्यवस्थाओं का पालन करना स्वीकार करते हैं,

संधियों और संविधान जो विभिन्न राज्यों द्वारा एक ही विषय पर की गई संधियां कोई अन्तर्राष्ट्रीय रिवाज कानून का एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त बनादेती हैं, और विधि का स्रोत ~~बन~~ बन जाती है। उदाहरणार्थ उन्नीसवीं शताब्दी में बहुत से देशों ने अपने देश की अपराधियों के प्रत्यर्पण के विषय में आपस में (Bilateral) संधियां की थी इनके परिणामस्वरूप प्रत्यर्पण (Extradition) संबंधी विधि के नियमों का निर्माण हुआ।

आपसी संधियां का वर्णन ऊपर से दिये तक अन्तर्राष्ट्रीय विधि का स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।

18वीं - 19 शताब्दियों के आदर्शवादियों ने
अपने मत का आधार-वस्तुओं के वास्तविक
स्वरूप को बताया उचित किन्तु विचारविधि
सत्ता की प्रकृति वाले विधान द्वारा विधि
का निर्माण किया जाता है जोकि उनको
मानने को लोग बाध्य होते हैं। इस
तरह प्राकृतिक विधि का आदर्शवादियों
के मत प्राकृतिक विधि और
वास्तविक विधि के संबंध में
वास्तविक विधि मालूम होती है।
बीसवीं शदी में प्राकृतिक विधि को
उचित माना जाने लगा। परिवर्तन
के मुताबिक प्राकृतिक विधि के
के अन्दर आने लगा और नैतिकता होने
के कारण निश्चित उद्देश्य का
पालन होता है।